शनिवार, 28 फरवरी 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

सूर्यकुमार की कप्तानी में नजर तीसरे टी20 वर्ल्ड कप खिताब पर

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2' का ट्रेलर रिलीज

Page-05

तेल संकट की आशंका के बीच सरकार का भरोसा

फिलहाल नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम, ऊर्जा भंडार पर्याप्त

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत सरकार ने आम लोगों को राहत भरी खबर दी है। सरकार के सूत्रों के अनुसार देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। सरकार का कहना है कि मौजूदा हालात के बावजूद भारत की ऊर्जा स्थिति मजबूत बनी हुई है और देश के पास पर्याप्त तेल और गैस का भंडार उपलब्ध है।सूत्रों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जरूर देखा जा रहा है, लेकिन सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऊर्जा मंत्रालय और पेट्रोलियम कंपनियां मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि वैश्विक संकट का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर न पड़े।सरकार का यह भी कहना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को बढ़ाया गया है और विभिन्न देशों से तेल आयात के स्रोतों को भी विविध बनाया गया है, ताकि किसी एक क्षेत्र में संकट का असर देश की आपूर्ति पर न पड़े। इसके अलावा देश में गैस और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी लगातार निवेश बढ़ाया जा रहा है। सरकार का मानना है कि इससे भविष्य में ऊर्जा संकट की संभावनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर दर्द निवारक दवा एटोमिडेट को अवैध तरीके से विदेश भेजने का आरोप है। अधिकारियों के मुताबिक इस दवा को एलोवेरा पाउडर और निजी देखभाल उत्पाद बताकर पार्सल के जरिए बाहर भेजा जा रहा था।एटीएस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निकुंज गढ़िया (28), चेतन वावडिया (28) और भौतिक पदमनी (32) के रूप में हुई है। तीनों सूरत के रहने वाले हैं। जांच में सामने आया है कि इनका संपर्क मलेशिया और थाईलैंड के ड्रग कार्टेल से जुड़े लोगों से भी था। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिली थी कि कुछ लोग इस दवा को दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में भेज रहे हैं, जहां इसे मादक या दिमाग पर असर डालने वाली प्रतिबंधित दवा माना जाता है। फिलहाल एटीएस मामले की गहन जांच कर रही है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

ईरान बुरी तरह हार रहा

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ईरान और इज़राइल-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीखा बयान दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए ईरान पर निशाना साधा और बड़ा दावा किया।ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि ईरान इस संघर्ष में बुरी तरह हार रहा है और उसने अपने मध्य पूर्वी पड़ोसी देशों से माफी मांगते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने यह भी वादा किया है कि वह अब अपने पड़ोसी देशों पर गोलीबारी नहीं करेगा। ट्रंप के अनुसार यह स्थिति अमेरिका और इज़राइल के लगातार हमलों के कारण बनी है।उन्होंने आगे कहा कि ईरान लंबे समय से मध्य पूर्व में अपना दबदबा कायम करना चाहता था और पूरे क्षेत्र पर कब्जा करके शासन करने की कोशिश कर रहा था। ट्रंप ने दावा किया कि हजारों वर्षों में यह पहली बार है जब ईरान अपने पड़ोसी मध्य पूर्वी देशों से इस तरह हारता हुआ दिखाई दे रहा है।अपने बयान में ट्रंप ने यह भी लिखा कि ईरान ने कथित तौर पर कहा, "धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप।" इसके जवाब में उन्होंने लिखा, "आपका स्वागत है।" ट्रंप ने ईरान पर तंज कसते हुए कहा कि अब ईरान "मध्य पूर्व का दादा" नहीं रहा, बल्कि "मध्य पूर्व का हारा हुआ" बन चुका है और आने वाले कई दशकों तक उसकी स्थिति ऐसी ही रह सकती है।पोस्ट के अंत में ट्रंप ने यह भी कहा कि आज ईरान पर एक बहुत बड़ा हमला हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के "खराब व्यवहार" के कारण ऐसे कई क्षेत्र और जनसमूह गंभीर रूप से हमले के लिए विचाराधीन हैं, जिन्हें पहले निशाना बनाने की योजना नहीं थी।ट्रंप का यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब ईरान और इज़राइल के बीच तनाव चरम पर है और पूरे मध्य पूर्व में हालात को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ती जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयानों से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है।वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश इस बढ़ते तनाव को लेकर चिंता जता चुके हैं और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यदि हालात नहीं संभले तो इसका असर वैश्विक राजनीति और तेल बाजार पर भी पड़ सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को लेकर पश्चिम बंगाल में विवाद

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रपति ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार के रवैये पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि जनजातीय समुदाय से जुड़े 'इंटरनेशनल संथाल कॉन्क्लेव' को अनुमति नहीं दी गई और निर्धारित प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया गया।बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान उनकी अगवानी के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। इस पर राष्ट्रपति ने असंतोष जाहिर किया और कहा कि इस तरह की व्यवस्था प्रोटोकॉल के अनुरूप नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने प्रशासन की मंशा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "पता नहीं प्रशासन के मन में क्या था, हम तो आसानी से यहाँ आ गए। उन्होंने कहा था कि वहाँ हालात बहुत ज्यादा कंजस्टेड हैं, लेकिन यहाँ तो मुझे लगता है कि पाँच लाख लोग आसानी से इकट्ठा हो सकते हैं। पता नहीं हमें वहाँ किसलिए ले गए।" राष्ट्रपति ने आगे भावुक होते हुए कहा कि वह अपने जनजातीय भाई-बहनों के बीच जाकर उनके हालात करीब से देखना चाहती थीं, लेकिन प्रशासन की ओर से इसमें बाधा डाली गई।

ईरान का बड़ा ड्रोन हमला

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज़ एजेंसी (आईआरएनए) के मुताबिक ईरानी सेना ने ड्रोन हमलों की एक बड़ी लहर के जरिए अमेरिकी ठिकानों और कब्जे वाले क्षेत्रों को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया कि ईरानी नौसेना ने कई रणनीतिक ठिकानों पर हमले किए।रिपोर्ट के अनुसार निशाने पर आए ठिकानों में अल-मिन्हाद एयर बेस (यूएई) और कुवैत में स्थित एक अन्य अमेरिकी सैन्य अड्डा शामिल है। इसके अलावा इज़राइल में एक रणनीतिक सैन्य सुविधा को भी निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है।बाद में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी बयान जारी कर कहा कि उनके बलों ने अल-धाफरा एयर बेस को भी ड्रोन हमलों से निशाना बनाया है। हालांकि इन हमलों से हुए नुकसान और हताहतों को लेकर अभी तक विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।इस घटना के बाद पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और हालात पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

रूस से तेल खरीद जारी रखेगा भारत, केंद्र का साफ संदेश

राष्ट्रीय हित में जहां सस्ता मिलेगा वहीं से करेंगे आयात

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अमेरिका की ओर से भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट दिए जाने के बाद इस मुद्दे पर देश की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष केंद्र की मोदी सरकार पर लगातार सवाल उठा रहा है। इस बीच केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए राष्ट्रीय हित में फैसला करेगा और जहां से सबसे बेहतर कीमत पर तेल मिलेगा, वहीं से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा।सरकार ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। इसके बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और स्थिर है। सरकार का कहना है कि देश ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।केंद्र सरकार के अनुसार भारत ने कच्चे तेल के आयात स्रोतों को पहले के मुकाबले काफी बढ़ाया है। पहले जहां भारत लगभग 27 देशों से कच्चा तेल आयात करता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 40 देशों तक पहुंच गई है। इससे भारत को आपूर्ति के कई वैकल्पिक रास्ते मिल गए हैं और किसी एक क्षेत्र में संकट का सीधा असर देश की ऊर्जा जरूरतों पर नहीं पड़ता। सरकार ने यह भी बताया कि भारत की रिफाइनरी क्षमता काफी उन्नत है, जिसके कारण अलग-अलग ग्रेड के कच्चे तेल को प्रोसेस करना संभव हो गया है। इससे वैश्विक बाजार में जहां भी किफायती दरों पर तेल उपलब्ध होता है, भारत वहां से आसानी से आयात कर सकता है और घरेलू आपूर्ति को बनाए रख सकता है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने हिंद महासागर में ईरानी पोत डूबने पर भारत का रुख स्पष्ट किया

विदेश मंत्री जयशंकर ने हिंद महासागर में ईरानी पोत आईरिस देना के डूबने पर भारत का मानवीय रुख स्पष्ट किया। भारत ने आईरिस लावन को कोच्चि में सुरक्षित डॉकिंग की पेशकश की और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में हिंद महासागर में हुई घटनाओं पर भारत का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने शनिवार को रायसीना वार्ता में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में ईरानी पोत आईरिस देना के डूबने की घटना दुर्भाग्यिपूर्ण थी और भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने जलक्षेत्र में सुरक्षित डॉकिंग की पेशकश की थी। विदेश मंत्री ने बताया कि आईरिस देना, जो अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा में भाग लेने के बाद भारत लौट रहा था, को अमेरिका ने डुबो दिया था। उन्होंने कहा कि इससे कुछ दिन पहले ईरान ने भारत से संपर्क किया और आईरिस लावन पोत को कोच्चि में डॉक करने का अनुरोध किया। यह पोत 15 से 25 फरवरी तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा और मिलान 2026 के लिए ईरानी नौसेना की उपस्थिति का हिस्सा था। तकनीकी खराबी के कारण आईरिस लावन पहले ही कोच्चि में डॉक किया गया था। जयशंकर ने बताया कि भारत ने 1 मार्च को डॉकिंग की मंजूरी दी और इस पोत के 183 चालक दल के सदस्य वर्तमान में कोच्चि की नौसेना सुविधाओं में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, "जब ईरानियों ने आईरिस लावन के लिए अनुरोध भेजा तो भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। यह जहाज हमारे जलक्षेत्र के सबसे करीब था, और हमें ईरानी पक्ष से संदेश मिला कि उन्हें कुछ तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमने तुरंत मंजूरी दी और उन्हें सुरक्षित रूप से डॉक करने की सुविधा दी।"मंत्री ने आगे कहा कि आईरिस देना के मामले में स्थिति अलग थी। यह पोत श्रीलंका के दक्षिण में डूब गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने केवल मानवता के नजरिए से निर्णय लिया और कानूनी या राजनीतिक मुद्दों को प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने बताया कि आईरिस देना से संबंधित संकट संदेश कोलंबो स्थित एमआरसीसी तक पहुँचने के बाद भारतीय नौसेना ने तुरंत खोजी अभियान शुरू किया। इसमें श्रीलंका के नेतृत्व में चल रहे खोजी प्रयासों में सहायता के लिए लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान को भी शामिल किया गया।विदेश मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र की स्थिति और वास्तविकताओं को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत ने अपने जलक्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून के प्रावधानों के तहत निर्णय लिया, लेकिन हमेशा मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि आईरिस लावन और अन्य ईरानी पोतों की सुरक्षित डॉकिंग यह दिखाती है कि भारत संकट और आपात स्थितियों में सहयोग करने के लिए तत्पर है। जयशंकर ने अंत में कहा कि हिंद महासागर में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखना भारत की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि भारत क्षेत्रीय सहयोग और मानवीय दृष्टिकोण के जरिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री घटनाओं में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। इस घटनाक्रम ने भारत के समुद्री और मानवीय दृष्टिकोण दोनों को उजागर किया है और यह दिखाया कि देश संकट के समय अपने जलक्षेत्र में सुरक्षा और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है।

अमेरिका-ईरान टकराव में बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी चीन और रूस की भूमिका पर उठे सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव अब केवल दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संघर्ष धीरे-धीरे व्यापक अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिखाई दे रहा है। हाल में सामने आई खुफिया जानकारी से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ प्रमुख वैश्विक शक्तियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ईरान के साथ खड़ी नजर आ सकती हैं।एक अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि चीन ईरान को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ मिसाइल से जुड़े महत्वपूर्ण पुर्जे और अन्य सैन्य सामग्री उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट में यह जानकारी तीन ऐसे सूत्रों के हवाले से दी गई है जो इस मामले से परिचित बताए जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि यदि ऐसा होता है तो इससे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और जटिल हो सकता है। हालांकि इस मामले में चीन की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन फिलहाल इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से बचने की कोशिश कर रहा है।इसी बीच यह भी दावा किया गया है कि रूस कथित तौर पर ईरान को पश्चिम एशिया क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों, युद्धपोतों और सैन्य विमानों की वास्तविक समय की खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रहा है। माना जा रहा है कि इस प्रकार की सूचनाएं ईरान को अमेरिकी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित हमलों की योजना बनाने में मदद कर सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी बढ़ती है तो यह संघर्ष और अधिक गंभीर रूप ले सकता है। इससे न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा, बल्कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक संतुलन पर भी प्रभाव पड़ सकता है।हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन फिलहाल बेहद सावधानी बरत रहा है।

पश्चिम एशिया संकट का असर भारतीय रसोई पर

एलपीजी सिलेंडर के दाम में बड़ी बढ़ोतरी

अमेरिका मध्य पूर्व में ईरानी ड्रोन खतरे से निपटने के लिए मेरोप्स प्रणाली तैनात करेगा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान के ड्रोन हमलों के खतरे के बीच अमेरिका ने अपनी रक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक नया कदम उठाया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार अमेरिका जल्द ही इस क्षेत्र में एक नया प्रति ड्रोन मिसाइल तंत्र 'मेरोप्स' तैनात करेगा, जिसे विशेष रूप से दुश्मन के ड्रोन को पहचानकर उन्हें हवा में ही नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है।अमेरिका पहले से ही पैट्रियट और थाड जैसी शक्तिशाली मिसाइल रक्षा प्रणालियों का उपयोग कर रहा है, जो ईरानी मिसाइलों को गिराने में सक्षम हैं। लेकिन अधिकारी मानते हैं कि मध्य पूर्व में प्रभावी प्रति ड्रोन सुरक्षा साधनों की कमी है। इसी कमी को पूरा करने के लिए मेरोप्स प्रणाली तैनात की जा रही है। मेरोप्स प्रणाली का सबसे बड़ा विशेषता यह है कि यह ड्रोन के विरुद्ध ड्रोन का उपयोग करती है। इसे मध्यम आकार के पिकअप वाहन पर लगाया जा सकता है। प्रणाली दुश्मन के ड्रोन की पहचान कर उनके पास पहुंचती है और उन्हें नष्ट कर देती है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया गया है, जिससे यह उपग्रह या इलेक्ट्रॉनिक संचार बाधित होने पर भी लक्ष्य तक पहुंच सकती है।अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान द्वारा छोड़े गए शाहेद ड्रोन अब तक की प्रतिक्रिया के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। ये ड्रोन अपेक्षाकृत सरल तकनीक के हैं, लेकिन बड़ी संख्या में और कम लागत में छोड़े जा सकते हैं, जिससे महंगे मिसाइलों से उन्हें नष्ट करना आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। मेरोप्स प्रणाली इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है। यह छोटे ड्रोन के माध्यम से दुश्मन के ड्रोन को नष्ट करती है और पारंपरिक मिसाइलों की तुलना में लागत बहुत कम है। इसका परीक्षण यूरोप में किया गया, जहां रूस के हमलावर ड्रोन नाटो के वायु क्षेत्र में प्रवेश कर चुके थे। पोलैंड और रोमानिया में इसे सफलतापूर्वक तैनात किया गया और ड्रोन की पहचान व रोकथाम क्षमता का परीक्षण किया गया। अब उसी अनुभव के आधार पर मेरोप्स प्रणाली को मध्य पूर्व के विभिन्न स्थलों पर तैनात किया जाएगा। इनमें ऐसे स्थल भी शामिल हैं जहां अमेरिकी सैनिक सीधे मौजूद नहीं हैं। इसका निर्माण पेरिनियल ऑटोनॉमी कंपनी द्वारा किया गया है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से ऊर्जा बाजार में चिंता

तेल 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार को लेकर चिंताएं गहराती जा रही हैं। क़तर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान, अमेरिका और इज़राइल से जुड़ा मौजूदा संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है तो खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा निर्यात बाधित हो सकता है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेज़ी से बढ़कर लगभग 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। एक अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में साद अल-काबी ने कहा कि मौजूदा हालात अगर इसी तरह बने रहते हैं तो खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा निर्यातक देशों को कुछ ही दिनों में उत्पादन रोकने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का असर केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका गंभीर प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।क़तर दुनिया में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। हाल ही में देश के प्रमुख रास लफ़ान गैस संयंत्र पर ड्रोन हमला होने के बाद क़तर ने "अपरिहार्य परिस्थितियों" की घोषणा की है। यह संयंत्र क़तर के गैस निर्यात का मुख्य केंद्र है और वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से होता है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार, भले ही संघर्ष तुरंत रुक जाए, फिर भी सामान्य आपूर्ति व्यवस्था बहाल होने में कई सप्ताह या महीनों का समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि हमले के बाद नुकसान का आकलन करने और आपूर्ति प्रणाली को दोबारा व्यवस्थित करने में समय लगेगा। साद अल-काबी ने यह भी संकेत दिया कि यदि हालात जल्द नहीं सुधरे तो खाड़ी क्षेत्र के अन्य ऊर्जा निर्यातक देशों को भी इसी तरह की घोषणा करनी पड़ सकती है। उनका कहना है कि यदि संघर्ष कुछ सप्ताह और जारी रहता है तो इसका असर दुनिया की आर्थिक वृद्धि दर पर भी पड़ सकता है। उनके बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत शुक्रवार को लगभग 2.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 87.6 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं प्राकृतिक गैस की कीमतें भी बढ़कर लगभग 40 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल इकाई तक जा सकती हैं।इस बीच होरमुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता है।

अमेरिकी वित्त मंत्री के बयान पर सियासत तेज

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर संप्रभुता से समझौते का लगाया आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस ने शनिवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और उस पर देश की संप्रभुता से समझौता करने तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव के सामने "कायरतापूर्ण" रवैया अपनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि यह बयान भारत सरकार के उस आधिकारिक रुख के विपरीत है, जिसमें वह लगातार यह दावा करती रही है कि रूस से तेल खरीदने का निर्णय पूरी तरह राष्ट्रीय हितों के आधार पर लिया गया है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस मुद्दे को उठाते हुए अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। इस साक्षात्कार में बेसेंट ने कहा कि अमेरिका के कहने पर भारत ने एक समय रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था। हालांकि बाद में वैश्विक स्तर पर तेल की उपलब्धता में कमी को देखते हुए भारत को फिलहाल रूस से "तेल खरीदने की अनुमति" दी गई। जयराम रमेश ने इस बयान को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी वित्त मंत्री ने मानो मोदी सरकार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों का "ईमानदारी से पालन करने का प्रमाण पत्र" दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और आर्थिक निर्णयों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। भारत सरकार लंबे समय से यह कहती रही है कि रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना देश के आर्थिक हितों के अनुरूप है। सरकार का यह भी कहना रहा है कि उसने इस मामले में किसी भी पश्चिमी देश या अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने से इनकार किया है और उसका निर्णय पूरी तरह स्वतंत्र है। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री के ताजा बयान ने इस आधिकारिक दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि यदि बेसेंट का दावा सही है तो यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत की ऊर्जा नीति पर बाहरी दबाव का असर पड़ा है।

संपादक की कलम से

पूरी दुनिया आज जिस बड़ी समस्या की ओर तेजी से बढ़ रही है, वह है जल संकट। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पानी की उपलब्धता लगातार कम होती जा रही है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर रूप ले सकता है।भारत में कई बड़े शहर पहले ही पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। गर्मियों के मौसम में कई राज्यों में जल स्तर तेजी से गिर जाता है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। भूजल का अत्यधिक दोहन इस समस्या को और बढ़ा रहा है। कृषि और उद्योगों में पानी का अनियंत्रित उपयोग भी जल संकट का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है।जल संकट केवल पानी की कमी का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, कृषि, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ है। यदि पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं होगा, तो खाद्यान्न उत्पादन पर भी असर पड़ेगा। इससे महंगाई बढ़ सकती है और समाज के कमजोर वर्गों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ सकता है।इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करने होंगे। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना, जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों को अपनाना और पानी के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। साथ ही नदियों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देना होगा।इसके अलावा कृषि क्षेत्र में भी पानी के बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर तकनीक का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए, जिससे पानी की बचत हो सके। उद्योगों को भी अपने उत्पादन प्रक्रियाओं में जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए।अंततः यह समझना जरूरी है कि पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यदि हम आज जल संरक्षण को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाएंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए समय की मांग है कि जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाया जाए। तभी इस चुनौती से प्रभावी तरीके से निपटा जा

सही नीतियों से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में चीन को टक्कर दे सकता है भारत: राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया तेजी से इलेक्ट्रिक तकनीक की ओर बढ़ रही है और इस क्षेत्र में चीन का दबदबा है। सही नीतियों और दूरदृष्टि के साथ भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है। उन्होंने सिनेमा और मीडिया के राजनीतिक इस्तेमाल पर भी चिंता जताई।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दुनिया तेजी से इलेक्ट्रिक तकनीक की ओर बढ़ रही है और सैन्य तथा युद्धक उपकरणों में भी इलेक्ट्रिक मोटरों का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिन पर फिलहाल चीन का दबदबा है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को सही नीतियां और दूरदृष्टि दी जाए तो देश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है। तिरुवनंतपुरम स्थित टेक्नोपार्क में आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वैश्विक संघर्षों से यह स्पष्ट हो रहा है कि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान-इज़राइल संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध में नई तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि यदि कोई यूक्रेन जाकर युद्धक्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम को देखे तो यह साफ दिखाई देता है कि ड्रोन तकनीक पारंपरिक आंतरिक दहन इंजनों की जगह ले रही है। उन्होंने कहा कि इसी तरह ईरान में भी सैन्य क्षेत्र तेजी से बैटरी आधारित ऑप्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोटरों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके अनुसार इन तकनीकों पर चीन का मजबूत नियंत्रण है, जो भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है।उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ देशों में से एक है जो इस तकनीकी बदलाव का नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं। यदि सरकार सही नीतियां और स्पष्ट दूरदृष्टि अपनाती है तो भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और संबंधित तकनीकों के क्षेत्र में चीन को चुनौती दे सकता है। इससे पहले दिन में राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के कुट्टिक्कानम में चाय बागान श्रमिकों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद उन्होंने वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में महान समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने इडुक्की के मारियन कॉलेज के छात्रों से भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म "द केरल स्टोरी 2" को लेकर चल रही बहस का जिक्र करते हुए सिनेमा और मीडिया के राजनीतिक प्रचार के लिए इस्तेमाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सिनेमा और मीडिया का इस्तेमाल समुदायों को बदनाम करने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए एक "हथियार" के रूप में किया जा रहा है। छात्रों के साथ हुई अपनी बातचीत का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केरल की असली पहचान करुणा, एकता और आपसी सहयोग की भावना है। उन्होंने कहा कि सिनेमा और मीडिया का उद्देश्य लोगों को जोड़ना होना चाहिए, न कि समाज को बांटने या किसी समुदाय को बदनाम करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राहुल गांधी का यह दौरा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आगामी चुनावों से पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) राज्य की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है।वर्तमान में केरल में मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सत्ता में है और वह लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में राहुल गांधी का यह दौरा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शनिवार को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में हालिया वृद्धि को लेकर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कड़ी आलोचना की। घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में आज, 7 मार्च से वृद्धि की गई है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़ाकर 913 रुपये कर दी गई है, जबकि मुंबई में यह दर 852.50 रुपये से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में कीमत 879 रुपये से बढ़कर 909 रुपये हो गई है, और चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। व्यावसायिक उपयोग वाले 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में भी वृद्धि की गई है। दिल्ली में इसका मूल्य 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गया है, मुंबई में 1720.50 रुपये से 1835 रुपये, कोलकाता में 1875.50 रुपये से 1990 रुपये और चेन्नई में 1929 रुपये से 2043.50 रुपये तक पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ उन व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण आर्थिक असर रखती है, जो रोजमर्रा के कार्यों के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। पवन खेड़ा ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से कहा कि शुक्रवार को हरदीप सिंह पुरी ने यह दावा किया था कि सरकार की प्राथमिकता अपने नागरिकों के लिए किफायती और टिकाऊ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। पुरी ने कहा था कि भारत में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है और पश्चिम एशिया में संघर्ष के बावजूद उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पवन खेड़ा ने इस बयान के तुरंत बाद कहा कि अगले ही दिन घरेलू एलपीजी की कीमतों में 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये की वृद्धि हो गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के दावों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली में घरेलू एलपीजी की कीमत अप्रैल 2025 के बाद से स्थिर थी, जब गैर-सब्सिडी वाली दर 853 रुपये निर्धारित की गई थी। अब हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं के लिए घरेलू बजट और व्यावसायिक लागतों पर सीधा असर डाला है। इस

बढ़ोतरी के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं और इसे आम जनता के साथ विश्वासघात करार दिया है। राजनीतिक हलकों में यह मुद्दा तेज बहस का विषय बन गया है, क्योंकि जनता की रोजमर्रा की आवश्यकताओं से जुड़े ऐसे कदम अक्सर संवेदनशील प्रतिक्रिया को जन्म देते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का तृणमूल कांग्रेस समर्थन करेगी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण से ठीक पहले राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) ने संकेत दिया है कि उसके सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। यह फैसला पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी के निर्देश पर लिया गया है। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होने वाला है। इसी दौरान तीन कांग्रेस सांसद सदन में अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में हैं। प्रस्ताव लाने वाले सांसदों में मोहम्मद जावेद, कोडिकुन्निल सुरेश और मल्लु रवि शामिल हैं। कांग्रेस सांसदों ने आरोप लगाया है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है। उनका कहना है कि अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को सदन में बोलने से रोकने की कोशिश की। इसके अलावा उन्होंने विपक्षी महिला सांसदों के खिलाफ "बेबुनियाद आरोप" लगाने का भी आरोप लगाया है।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विपक्षी सांसद जब जनता से जुड़े मुद्दे उठाते हैं तो उन्हें पूरे संसदीय सत्र के लिए निलंबित कर दिया जाता है, जबकि सत्ताधारी दल के सदस्यों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियां किए जाने पर उन्हें कोई फटकार नहीं लगाई जाती। लोकसभा की कार्यसूची में भी इस मुद्दे का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि अध्यक्ष के आचरण से यह महसूस होता है कि उन्होंने सदन के सभी वर्गों का विश्वास हासिल करने के लिए जरूरी निष्पक्षता खो दी है। विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष ने विपक्षी नेताओं को बोलने से रोकने, महिला सांसदों पर निराधार आरोप लगाने और विपक्षी सांसदों को निलंबित करने जैसे कदम उठाए हैं।कांग्रेस सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि कई विवादास्पद मामलों में अध्यक्ष ने खुले तौर पर सत्ताधारी दल का पक्ष लिया है। उनके अनुसार इस तरह का व्यवहार लोकसभा के सुचारू संचालन के

लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस बीच सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 'तीन-पंक्ति का व्हिप' जारी किया है। इसके तहत सांसदों से 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बजट सत्र के दूसरे चरण में यह मुद्दा संसद में तीखी बहस और टकराव का कारण बन सकता है।

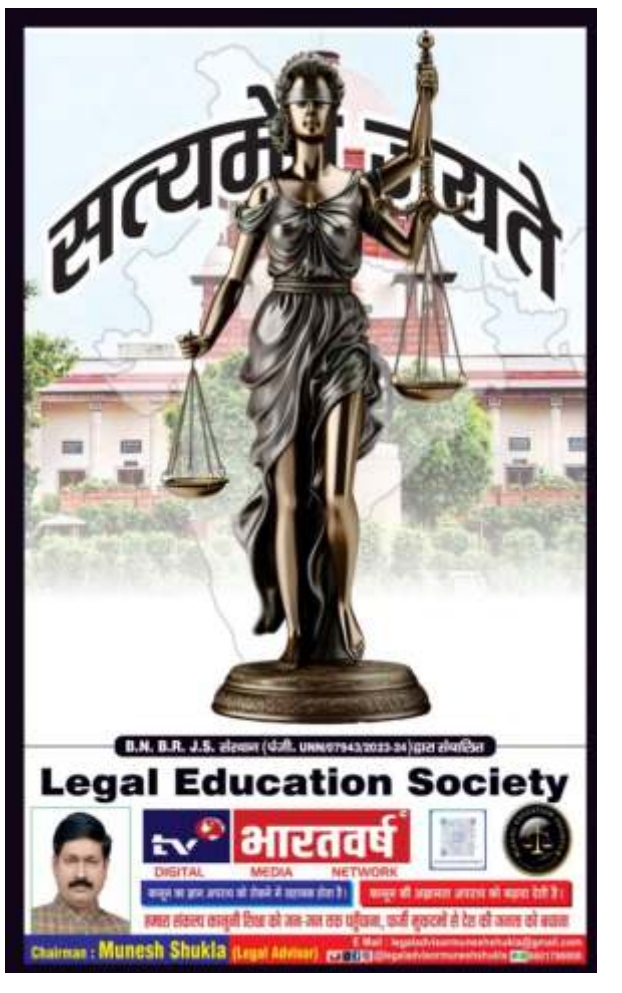

मार्च में टैक्स बचाने की जल्दबाजी से बचें

सही फाइनेंशियल प्लानिंग से करें साल का समापन

मार्च का महीना शुरू होते ही टैक्स बचाने और निवेश से जुड़ी सलाहों का दौर तेज हो जाता है। कई वित्तीय संस्थानों और एजेंटों की ओर से निवेश के कॉल्स और ऑफर्स भी बढ़ जाते हैं। हालांकि, अक्सर देखा जाता है कि लोग पूरे साल वित्तीय योजना पर ध्यान नहीं देते और वित्तीय वर्ष के आखिरी दिनों में जल्दबाजी में फैसले ले लेते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार गलत निवेश हो जाता है, जिसका असर लंबे समय तक पड़ सकता है। दरअसल, वित्तीय वर्ष का अंत केवल टैक्स बचाने का मौका नहीं होता, बल्कि यह पूरे साल की कमाई, खर्च और बचत का मूल्यांकन करने का भी सही समय होता है। इस दौरान की गई छोटी सी लापरवाही अगले साल बड़ी वित्तीय समस्या का कारण बन सकती है।विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी तरह का निवेश करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि करदाता पुराना टैक्स रिजीम चुनना चाहता है या नया। अधिकतर लोग इसी चरण में गलती कर बैठते हैं। अगर कोई व्यक्ति नया टैक्स सिस्टम चुनता है, तो उसे आयकर अधिनियम की धारा 80C या 80D जैसी कई छूटों का लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे में बिना योजना बनाए सिर्फ टैक्स बचाने के उद्देश्य से निवेश करना फायदेमंद नहीं होता। इसलिए निवेश से पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि कौन सा टैक्स रिजीम अपनाया जाएगा। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि टैक्स में बचत हो या न हो, भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए नियमित निवेश जारी रखना हमेशा लाभकारी होता है।वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए 31 मार्च की तारीख से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उनके कार्यालय द्वारा तय की गई निवेश प्रमाण जमा करने की अंतिम तिथि होती है। यदि कर्मचारी समय पर निवेश से जुड़े दस्तावेज जमा नहीं करते, तो नियोक्ता अधिक टैक्स काट सकता है। इसका सीधा असर कर्मचारियों की हाथ में आने वाली सैलरी पर पड़ता है। वहीं, फ्रीलांसरों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए अपने सभी खर्चों की रसीदें और इनवॉइस व्यवस्थित रखना जरूरी है। उन्हें कार्यालय से जुड़े खर्च और निजी खर्च अलग-अलग दर्ज करने चाहिए, ताकि जुलाई में आयकर रिटर्न भरते समय किसी तरह की परेशानी न हो। इसके अलावा जिन लोगों ने अलग-अलग बैंकों में कई फिक्स्ड डिपॉजिट (F D) या रिकरिंग डिपॉजिट (RD) कर रखे हैं, उन्हें भी वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले अपने ब्याज की कुल राशि का अनुमान लगा लेना चाहिए। इन जमा योजनाओं पर मिलने वाला ब्याज धीरे-धीरे बढ़ता रहता है और यदि यह तय सीमा से अधिक हो जाता है, तो बैंक स्वतः ही उस पर टीडीएस काट लेते हैं। ऐसे में पैन कार्ड की जानकारी बैंक में अपडेट रखना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर टैक्स छूट से जुड़े फॉर्म भी समय पर जमा कर देने चाहिए, ताकि अनावश्यक रूप से टीडीएस न कटे।वित्तीय योजनाकार यह भी सलाह देते हैं कि टैक्स बचाने के चक्कर में ऐसी चीजों पर खर्च नहीं करना चाहिए, जिनकी वास्तव में जरूरत ही न हो। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य बीमा की आवश्यकता है, तो उसका प्रीमियम भरना एक जरूरी वित्तीय सुरक्षा कदम है, न कि केवल टैक्स बचाने का माध्यम। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले अपने बैंक खातों, डीमैट अकाउंट और बीमा पॉलिसियों में नॉमिनी का नाम जरूर अपडेट कर लेना चाहिए।साथ ही, यदि किसी पर अधिक ब्याज दर वाला कर्ज है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर चुकाने की कोशिश करनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, हर व्यक्ति को अनिश्चित परिस्थितियों से निपटने के लिए एक मजबूत इमरजेंसी फंड भी तैयार रखना चाहिए। इस तरह वित्तीय वर्ष के अंत में थोड़ी सी सतर्कता और योजना भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत बना सकती है।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी में रिकी मार्टिन की प्रस्तुति, अहमदाबाद में बिखेरेंगे जलवा

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले से पहले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भव्य समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। 8 मार्च, रविवार को होने वाले इस मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। मैच से पहले आयोजित होने वाले क्लोजिंग सेरेमनी में अंतरराष्ट्रीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।इस खास मौके पर प्यूर्टो रिको के मशहूर पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी अपनी शानदार प्रस्तुति देते नजर आएंगे। वे फाइनल मुकाबले की शुरुआत से पहले मंच पर परफॉर्म करते हुए दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल बनाएंगे। उनकी प्रस्तुति को समापन समारोह का मुख्य आकर्षण माना जा रहा है। आईसीसी ने रिकी मार्टिन की प्रस्तुति की घोषणा करते हुए खुशी जाहिर की है। इस संबंध में आईसीसी की ओर से एक पोस्ट भी साझा किया गया, जिसमें बताया गया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 का जश्न इस बार और भी खास होने जा रहा है। पोस्ट में कहा गया कि विश्व प्रसिद्ध पॉप स्टार रिकी मार्टिन फाइनल मुकाबले में अपनी प्रस्तुति देंगे और यह कार्यक्रम दर्शकों के लिए यादगार बनने वाला है। जानकारी के अनुसार, समापन समारोह की शुरुआत शाम 5:30 बजे होगी। इसके साथ ही स्टेडियम के गेट दोपहर 3:30 बजे से दर्शकों के लिए खोल दिए जाएंगे, ताकि लोग समय से पहुंचकर इस भव्य कार्यक्रम का आनंद ले सकें। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस फाइनल मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में पहले से ही काफी उत्साह है।

सैंटनर का बड़ा दावा

घरेलू मैदान पर दबाव में होगी टीम इंडिया

शिवम दुबे बोले

खुद पर भरोसा ही बना जीत की वजह

भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे ने टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी ओवर फेंकते समय अपने आत्मविश्वास को जीत की सबसे बड़ी वजह बताया। दुबे ने कहा कि जब उन्हें 30 रन बचाने की जिम्मेदारी मिली तो उन्होंने घबराहट के बावजूद खुद पर भरोसा बनाए रखा और ओवर की पहली दो गेंदों को सही तरीके से फेंकने पर ध्यान केंद्रित किया।मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45 गेंदों में शतक जड़ दिया था, जिससे मैच काफी रोमांचक हो गया था। हालांकि, दुबे की समझदारी भरी गेंदबाजी और शुरुआती दो अहम गेंदों ने मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में दुबे ने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि आखिरी ओवर वही फेंकेंगे। उन्होंने कहा, “मैं बस खुद पर भरोसा रखना चाहता था। मुझे पता था कि ओवर की पहली दो गेंदें निर्णायक होंगी, इसलिए मेरा पूरा ध्यान उन्हें सही तरीके से डालने पर था, क्योंकि इससे मैच का नतीजा तय हो सकता था।” उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि विश्व कप के सेमीफाइनल में आखिरी ओवर फेंकना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और स्वाभाविक रूप से वह घबराए हुए थे।आखिरी ओवर बेहद रोमांचक रहा। पहली ही गेंद पर जैकब बेथेल दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। इसके बाद दुबे ने अगली दो गेंदों पर एक-एक रन दिया, जिससे इंग्लैंड के सामने तीन गेंदों में 27 रन बनाने की चुनौती रह गई।

फिट इंडिया वीमेंस कार्निवल

नेहरू स्टेडियम में दिखी महिला शक्ति की दमदार झलक

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्निवल की शुरुआत हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की थीम ‘मजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र’ रखी गई है।कार्निवल में भारत के सशस्त्र बलों और सुरक्षा सेवाओं से जुड़ी 500 से अधिक महिलाएं भाग ले रही हैं। इनमें सीमा सुरक्षा बल (BSF), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और दिल्ली पुलिस की महिला कर्मी शामिल हैं। इस आयोजन के माध्यम से फिटनेस गतिविधियों और विभिन्न खेलों के जरिए महिलाओं की ताकत, लचीलापन और नेतृत्व क्षमता को उजागर किया जा रहा है।कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कई प्रख्यात हस्तियों ने हिस्सा

लिया और फिटनेस, स्वास्थ्य तथा महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। इनमें पैरालंपिक पदक विजेता और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रीति पाल, प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ निधि निगम और तन्वी तुतलानी, उद्यमी युक्ति आर्य, ध्यान विशेषज्ञ निवेदिता श्रेयंस, योग विशेषज्ञ दिव्या आहूजा और पंखुड़ी श्रीवास्तव, फिजियोथेरेपिस्ट गरिमा बिस्वास तथा फिट इंडिया चैंपियन टिम्सी बेक्टर शामिल रहीं।

सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत की नजर

तीसरे टी20 वर्ल्ड कप खिताब पर

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। कई हफ्तों तक चले रोमांचक मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है, जहां दोनों टीमें खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों टीमों ने फाइनल में जगह बनाई है, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल नरेंद्र मोदी स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के लिए भावनात्मक रूप से भी खास रहा है। 19 नवंबर 2023 को इसी मैदान पर भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों वनडे विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा भावुक नजर आए थे और स्टेडियम में मौजूद करीब 93 हजार दर्शक भी स्तब्ध रह गए थे। हालांकि भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर उस दर्द को काफी हद तक कम कर दिया था।अब भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एक बार फिर खिताब बचाने के इरादे से मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप को तीसरी बार जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली टीम बनना है। सूर्यकुमार एक कुशल बल्लेबाज और रणनीतिक कप्तान के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने के साथ-साथ 2023 की हार की यादों को पीछे छोड़ना चाहेंगे। भारतीय टीम 9 मार्च 2025 को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत से भी प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। हालांकि वह मुकाबला 50 ओवर का था और सूर्यकुमार उस टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उस जीत से टीम को मनोबल मिल सकता है। फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में साहस के साथ किस्मत का साथ भी जरूरी होता है।

दिल्ली के लुटियंस में बिक रहा घर

हज़ारों करोड़ का घर, सुर्खियों में आया शख्स

यह घर मनुजेंद्र शाह साहिब बहादुर का है. इस घर को टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. अब मनुजेंद्र शाह अपने इस घर को बेच रहे हैं. मनुजेंद्र शाह को कारों का शौक है. इसलिए उनके पास कारों का एक बड़ा बेड़ा है.

मनुजेंद्र शाह टिहरी गढ़वाल रियासत के महाराज है (Photo - Instagram/@Manujendra Shah)

दिल्ली के लुटियंस इलाके में स्थित एक शानदार हवेली की डील इन दिनों चर्चा में है. इस प्रॉपर्टी को 1000 करोड़ में बेचा जा रहा है. भगवान दास रोड के प्लॉट नंबर 5 पर 3.2 एकड़ में फैली यह प्रॉपर्टी किसी आम आदमी की नहीं बल्कि एक राजा की है. इनका नाम मनुजेंद्र शाह साहिब बहादुर है. इस घर को टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. क्योंकि, इस घर के मालिक मनुजेंद्र शाह टिहरी-गढ़वाल स्टेट के महाराजा हैं. अब मनुजेंद्र शाह अपने इस घर को बेच रहे हैं. मनुजेंद्र शाह को कारों का शौक है. इसलिए उनके पास कारों का एक बड़ा बेड़ा है. इसमें बीएमडब्लू, पोर्श से लेकर कई विंटेज कारें शामिल हैं. यही वजह है कि वह देश-विदेश में आयोजित होने वाली कार रैलियों में शामिल होते हैं.

साथ ही कार रैलियों का आयोजन भी करते रहे हैं. इसके अलावा भी वह कई एलीट क्लब और सोसाइटी के स्थायी मेंबर हैं. मनुजेंद्र शाह अपनी शाही लाइफ और शान-शौकत के लिए जाने जाते हैं. मनुजेंद्र शाह की पत्नी माला राज्य लक्ष्मी शाह हैं.

माला राज्य लक्ष्मी शाह टिहरी से सांसद हैं. दिल्ली के भगवान दास रोड स्थित हवेली के अलावा भी मनुजेंद्र शाह के पास कई आलीशान बंगले हैं. इनमें नरेंद्र नगर पैलेस, आनंदा और नरेंद्र नगर में रिज हाउस जैसी शाही संपत्तियां शामिल हैं. मनुजेंद्र शाह के पिता मानवेंद्र शाह टिहरी के अंतिम नरेश थे.मानवेंद्र शाह भी टिहरी से कई बार सांसद रहे. अब उनकी पॉलिटिकल विरासत उनकी बहु माला राज्य लक्ष्मी शाह संभाल रही हैं. वह टिहरी गढ़वाल से बीजेपी की सांसद हैं. दिल्ली स्थित मनुजेंद्र शाह की हवेली, जिसे टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. ⊙

सांप की कुंडली से निकला 'साइक्लोन'

सना जैदी, आजतक

क्या आप जानते हैं कि आज दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाला शब्द "साइक्लोन" भारत में ही जन्मा है? यह सच है... 19वीं सदी में एक अंग्रेज़ शख्स ने भारत में रहते हुए साइक्लोन नाम को गढ़ा, और इसके पीछे ग्रीक भाषा का एक शब्द है cy-clos, जिसका मतलब है सांप की कुंडली जैसा. यह कहानी है हेनरी पिडिंगटन की. जो एक ब्रिटिश जहाज के कप्तान थे. उन्होंने भारत और चीन के बीच समुद्र में बहुत यात्राएं कीं. ⊙

जहां मिलेंगे बाबू सोना तोड़ देंगे कोना-कोना

आज वैलेंटाइन डे है. प्यार का इजहार करने का दिन. दुनिया भर के प्रेमियों के लिए यह खास मौका माना जाता है. हर साल की तरह इस बार भी 14 फरवरी को लेकर हलचल तेज है. लेकिन माहौल एक जैसा नहीं है. एक तरफ वे लोग हैं, जो इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं. दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं, जो इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं. संस्कृति की रक्षा के नाम पर कई जगहों पर वैलेंटाइन डे के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है. कुछ समूहों की ओर से इसे मनाने वालों को चेतावनी भी दी जा रही है. सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ी हुई है.विरोध के नारे तेजी से वायरल हो रहे हैं. मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, पटना में वैलेंटाइन डे से पहले 'बाबू-सोना' लिखे पोस्टर लगाए गए हैं. इन पोस्टरों में चेतावनी भरे शब्द लिखे हैं-जहां मिलेंगे बाबू-सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना. साथ ही यह भी लिखा गया है कि 14 फरवरी को 'बाबू-सोना' नहीं, बल्कि पुलवामा के शहीदों को नमन किया जाए. बताया जा रहा है कि ये पोस्टर हिंदू शिवभवानी सेना के नाम से लगाए गए हैं. ⊙

जेल जाने की चाहत में हज़ारों देते हैं लोग

जेल में भी कोई रात गुजारना चाहेगा... ये बात गले से नीचे नहीं उतरती है. मगर, ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों में से एक में लोग पैसे देकर रात गुजराने आते हैं. हम इसे पागलपन समझ सकते हैं, लेकिन माजरा कुछ और ही है. डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे कुख्यात जेलों में से एक एचएम प्रिजन पेंट्रिज में लोगों को एक रात गुजारने के लिए कम से कम 28 हजार रुपये खर्च करना पड़ता है.

क्योंकि, इसे एक आलीशान पांच सितारा होटल में बदल दिया गया है. यह जेल कभी ऑस्ट्रेलिया के कुछ सबसे कुख्यात अपराधियों का घर था. इसमें रोनाल्ड जोसेफ रयान और मार्क 'चॉपर' रीड जैसे अपराध

गिरोह के सदस्य भी सजा काट चुके हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में फांसी पर लटकाए जाने वाला आखिरी अपराधी थे.

यहां आने वाले मेहमान अब उन्हीं हॉलों और कमरों में ठहर सकते हैं, जहां कभी अपराधी घूमते थे. इन कमरों का किराया AU$449.00 (£232) यानी 28 हजार रुपये प्रति रात से शुरू होती है. इस जेल के बीचोंबीच एक आलीशान अंडरग्राउंड स्विमिंग पूल है. इसे बनाने में तीन महीने लग गए, क्योंकि इसका निर्माण इस ऐतिहासिक जेल की संरचना से बिना छेड़छाड़ किए किया गया.

इस जेल को एक 5 स्टार होटल में इतनी खूबसूरती से तब्दील किया गया है, जिससे जेल की पुरानी संरचना भी बरकरार है और अंदर पांच सितारा वाली सारी लग्जरी भी मौजूद है. ⊙

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2' का ट्रेलर रिलीज

19 मार्च को पांच भाषाओं में होगी फिल्म की रिलीज

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' का ट्रेलर शनिवार सुबह 11:01 बजे जारी कर दिया गया। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर. माधवन जैसे बड़े कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, निर्देशित और प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी इस प्रोजेक्ट के सह-निर्माता हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत किया गया है और इसका निर्माण बी62 स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है।'धुरंधर 2' को 19 मार्च को दुनियाभर में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सहित कुल पांच भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी। इसकी रिलीज का समय भी खास माना जा रहा है, क्योंकि यह गुड़ी पड़वा और उगादी जैसे त्योहारों के मौके पर तथा ईद से ठीक पहले सिनेमाघरों में पहुंचेगी।फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत एक तीखे और विवादित संवाद से होती है, जिसमें कहा जाता है कि "हिंदू एक बहुत डरपोक कौम हैं।" इसके बाद एक चुनौतीपूर्ण आवाज इस कथन का जवाब देती है और कहानी तेजी से आगे बढ़ती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि अक्षय खन्ना के किरदार रहमान डकैत की मौत के बाद शहर में अराजक माहौल बन जाता है। सड़कों पर हिंसा, गोलीबारी और रॉकेट लॉन्चर के धमाकों के बीच यह सवाल उठता है कि रहमान की मौत के बाद लियारी का नया बादशाह कौन बनेगा।ट्रेलर में रणवीर सिंह दो अलग-अलग किरदारों—जस्किरत सिंह रंगी और हमजा—में नजर आ रहे हैं। वहीं आर. माधवन अजय सान्याल की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अर्जुन रामपाल आईएसआई मेजर इकबाल के किरदार में दिखाई देते हैं। संजय दत्त फिल्म में एसपी चौधरी असलम की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में इन सभी कलाकारों के दमदार एक्शन और संवाद दर्शकों का ध्यान खींचते हैं।गौरतलब है कि 'धुरंधर' के पहले भाग ने भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1,303 करोड़ रुपये की कमाई की थी। भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपये रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 836.95 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। इसी के साथ यह भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी सिंगल-लैंग्वेज फिल्म बन गई थी।विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली थी। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। खासतौर पर अमेरिका और कनाडा में फिल्म ने 193.06 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करते हुए 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया था। उल्लेखनीय है कि यह सफलता फिल्म को तब मिली, जब इसे खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। इसके अलावा 'धुरंधर' भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म भी बनी थी।

सामाजिक न्याय के लिए पीडीए की एकजुटता जरूरी अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) विचारधारा को सामाजिक न्याय के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि पीडीए के लोग मिलकर सभी के अधिकार और सम्मान की रक्षा करेंगे। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन को लेकर भाजपा की आलोचना भी की और वोटों के विभाजन से बचने की अपील की।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी की "पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए)" विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज में सामाजिक न्याय को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि पीडीए के लोगों के साथ मिलकर काम करते हुए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार और गरिमा की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी। शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने कहा कि आने वाले समय में पीडीए की विचारधारा के आधार पर काम करते हुए ऐसी सरकार बनाने का प्रयास किया जाएगा जो केवल सामाजिक न्याय की बात न करे, बल्कि सामाजिक न्याय का शासन स्थापित करे। उन्होंने कहा कि पीडीए के लोग और समाजवादी विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज के हर वर्ग को न्याय मिले और किसी के साथ भेदभाव न हो। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाती रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य ऐसा समाज बनाना है जहां हर व्यक्ति की गरिमा सुरक्षित हो और सभी को समान अवसर मिलें।इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए नामांकन दाखिल करने को लेकर उन्होंने भाजपा की आलोचना की। अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति को समझने वाले पहले से जानते थे कि भाजपा आगे क्या कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद की दौड़ से संन्यास लें, लेकिन अब वे राज्यसभा सदस्य के रूप में सेवानिवृत्त होंगे।गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ब्लॉक के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। उस समय उनके समर्थकों द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में भी देखा जा रहा था। हालांकि बाद में उन्होंने फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी कर ली थी। अखिलेश यादव ने इससे पहले जनवरी में भी मतदाताओं और पीडीए समुदाय के लोगों से एकजुट रहने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि पीडीए के वोटों का विभाजन नहीं होना चाहिए। उन्होंने "एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो" का नारा देते हुए समाज के पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से एकजुट होकर मतदान करने की अपील की थी। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम छूटने का खतरा हमेशा बना रहता है और इसका दुरुपयोग भी हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ऐसे मामलों का फायदा उठाकर लोगों को सरकारी योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित कर सकती है। अखिलेश यादव ने लोगों से अपील की कि वे अपने वोटर आईडी को नागरिक पहचान पत्र की तरह महत्व दें और मतदान के समय पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर नागरिक को अपने मतदान अधिकार का सही तरीके से इस्तेमाल

महिला दिवस पर लखनऊ मेट्रो बनी 'शक्ति मेट्रो'

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मेट्रो को एक सप्ताह के लिए "शक्ति मेट्रो" के रूप में संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (UPMRC) की ओर से 7 मार्च से "एक्जीबिशन ऑन व्हील्स" की शुरुआत की गई है। इसके तहत मेट्रो ट्रेन के अंदर महिलाओं की ऐतिहासिक उपलब्धियों और उनके योगदान को प्रदर्शित किया जा रहा है। मेट्रो के डिब्बों में लगाए गए विशेष पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों को यात्रियों तक पहुंचाया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 15 मार्च तक यात्रियों को मेट्रो में सफर के दौरान देखने को मिलेगी।इस विशेष पहल का शुभारंभ चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट (CCS) मेट्रो स्टेशन से किया गया। यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने "शक्ति मेट्रो–पिंक मेट्रो" का फीता काटकर इसका उद्घाटन किया और हरी झंडी दिखाकर मेट्रो को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इस विशेष पहल की शुरुआत की है।कार्यक्रम के दौरान प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने UPMRC के अधिकारियों के साथ विशेष रूप से डिजाइन की गई इस मेट्रो ट्रेन में सफर कर 'एक्जीबिशन ऑन व्हील्स' का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में भारत की विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रमुख महिलाओं की प्रेरणादायक यात्राओं और उनकी सफलताओं को दर्शाया गया है। इसके अलावा महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'शो योर टैलेंट' पहल के तहत हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर एक विशेष संगीत कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला था, जिसमें महिला यात्रियों ने मंच पर आकर अपने पसंदीदा गीत प्रस्तुत किए।

सीएम योगी की मां पर आपत्तिजनक बयान से बवाल
लखनऊ में मौलाना का पुतला फूंका

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुर्वेदी द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां को लेकर दिए गए आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान के बाद प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विरोध तेज हो गया है। बयान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और योगी समर्थकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। शनिवार को गुस्साए लोगों ने मौलाना के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पुतले को पैरों से कुचलते हुए अपना आक्रोश जाहिर किया। इससे पहले युवाओं ने हजरतगंज क्षेत्र में मौलाना की प्रतीकात्मक शव यात्रा भी निकाली। शव यात्रा निकालते हुए प्रदर्शनकारी चौराहे तक पहुंचे, जहां उन्होंने पुतले पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन भीड़ के आक्रोश के आगे पुलिस की कोशिशें नाकाम रहीं। प्रदर्शन के दौरान कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल भी बन गया।प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुर्वेदी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किए जा सकते। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग उठाई।लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अभिषेक, जो प्रदर्शन में शामिल थे, ने कहा कि मौलाना ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की मां के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है, जो बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अगर बयान देने वाला व्यक्ति सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगता है, तो आने वाले दिनों में और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। अभिषेक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के लोगों के दिल और जान हैं। उनके सम्मान से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे लोग केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के विवादित बयान देते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि किसी भी नेता की नीतियों या विचारों का विरोध करना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी की मां या परिवार के सदस्यों पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना पूरी तरह से गलत है।

केजीएमयू परिसर में मजार के पास
अतिक्रमण हटाया, भारी पुलिस बल तैनात

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में मजार के पास हुए अतिक्रमण को शनिवार को प्रशासन ने हटा दिया। कार्रवाई के दौरान परिसर में कुछ समय के लिए गहमा-गहमी का माहौल रहा। किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। केजीएमयू प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परिसर में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान केजीएमयू के प्रॉक्टर डॉ. आर.एस. कुशवाहा भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि होली के दौरान कुछ लोगों ने बांस-बल्लियां लगाकर वहां अतिक्रमण कर लिया था। हालांकि, अतिक्रमण करने वाले लोगों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे अतिक्रमण को हटवा दिया। जानकारी के अनुसार हरमैन शाह दरगाह के पास बांस-बल्लियां लगाकर परिसर के दायरे को बढ़ाने की कोशिश की गई थी। प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर उन बांस-बल्लियों को निकाल दिया। कार्रवाई के दौरान निकाली गई बांस-बल्लियों को दरगाह के पास ही रख दिया गया, जिसे बाद में वहां से हटवा दिया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर परिसर में पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद परिसर में स्थिति सामान्य बनी हुई है। इस बीच दरगाह से अतिक्रमण हटाए जाने के बाद दरगाह कमेटी के कुछ लोग पैरामेडिकल साइंस के डीन डॉ. के.के. सिंह से मिलने के लिए पहुंचे। हालांकि, कमेटी के लोगों ने इस मुलाकात से इनकार किया। केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लखनऊ में JIO स्टोर मैनेजर ने लगाई फांसी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के मड़ियांव इलाके में जिओ (JIO) स्टोर मैनेजर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव कमरे में लटका मिला। पड़ोसी ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रेहघटना सकरन सीतापुर निवासी पवन कुमार शुक्ला (30) पुत्र प्रमोद कुमार के रूप में हुई। वह जिओ कंपनी में स्टोर मैनेजर थे। लखनऊ में मड़ियांव के प्रियदर्शनी कॉलोनी में रहते थे। इस वक्त नीलगिरी स्थित जिओ स्टोर पर कार्यरत थे। भाई भानु ने बताया कि शुक्रवार रात 9.30 बजे पुलिस से सूचना मिली कि पवन की तबीयत खराब है। इसके बाद परिवार के लोग लखनऊ पहुंचे तो मौत की जानकारी हुई। उनके कमरे में खून का थोड़ा सा निशान मिला है। परिवार में पत्नी सोनी और बेटा बल्ले मोहन (2) है। पवन पांच भाईयों में तीसरे नंबर पर थे। भाई ने बताया कि होली में घर आए थे। होली के अगले दिन ही लखनऊ आ गए। यहां पर गर्लफ्रेंड शालिनी वर्मा के साथ रहते थे। वो भी सीतापुर की रहने वाली है और किसी स्टोर पर काम करती है।

भाजपा सरकार में बजट की लूट, शिवपाल सिंह यादव का आरोप

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शनिवार को भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के बजट का पैसा विकास कार्यों में खर्च होने के बजाय लूट का जरिया बन गया है। उन्होंने दावा किया कि बजट का बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है और विकास कार्यों पर अपेक्षित खर्च नहीं हो रहा है। पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के बजट का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा सत्ता से जुड़े लोग खुद ले लेते हैं, जबकि शेष राशि इंजीनियरों और ठेकेदारों के बीच बंट जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में किसी भी सरकार के दौरान इतनी बड़ी लूट नहीं हुई है। उनके अनुसार वर्तमान सरकार को "लुटेरी सरकार" कहा जा सकता है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकलापों को अब सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोग जान चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के लोग अन्याय और अत्याचार कर रहे हैं और आम जनता को परेशान किया जा रहा है। शिवपाल सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे गांव-गांव और गरीबों के बीच जाकर काम करें। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को पीड़ित और शोषित लोगों को एकजुट करना चाहिए, ताकि उनके अधिकारों की रक्षा की जा सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में जनता भाजपा को जवाब देगी और इस बार उत्तर प्रदेश में भाजपा का पता नहीं चलेगा। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, अरविंद कुमार सिंह और डॉ. राजपाल कश्यप सहित कई अन्य नेता भी मौजूद रहे।

उन्नाव में गांधीनगर तिराहे का विकास कार्य जारी

डीएम ने समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने शनिवार को शहर के प्रमुख गांधीनगर तिराहे पर चल रहे चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को किसी तरह की असुविधा न हो और परियोजना का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हो सकेाडीएम ने बताया कि गांधीनगर तिराहे और इसके आसपास के क्षेत्र में री-इंजीनियरिंग के तहत सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। इसका उद्देश्य ट्रैफिक की आवाजाही को सुगम बनाना और जाम की समस्या को कम करना है। इसके तहत सड़क के विभिन्न हिस्सों को अलग-अलग उपयोगों के अनुसार चिन्हित किया जा रहा है। इसमें वेंडिंग जोन, पैदल चलने वालों के लिए पेडेस्ट्रियन वॉक, वाहनों की पार्किंग और ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के लिए अलग-अलग बे शामिल हैं। इससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्थित होगा और लोगों को सुविधाजनक आवागमन मिलेगा।डीएम राठी ने बताया कि जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए नाले का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके साथ ही गांधीनगर तिराहे पर बने गोलचक्कर का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्नाव की विशेष पहचान को ध्यान में रखते हुए गोलचक्कर में एक थीम तैयार की जाएगी। शहर को 'कलम और तलवार की भूमि' के रूप में जाना जाता है और इसी प्रतीकात्मक पहचान को गोलचक्कर में शामिल किया जाएगा। यह परियोजना पिछले लगभग चार महीने से चल रही है और इसके चलते कई अतिक्रमण हटाने पड़े हैं। डीएम ने बताया कि अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण दोनों को हटाया गया है और प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक स्थान भी चिन्हित किए गए हैं, ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी न हो। वेंडिंग जोन की व्यवस्था के तहत फल और सब्जी विक्रेताओं के लिए लगभग 50 मीटर की दूरी पर विशेष वेंडिंग एरिया तैयार किया गया है। इसमें ऊंचा प्लेटफॉर्म बनाया गया है ताकि दुकानदार व्यवस्थित तरीके से अपनी दुकानें स्थापित कर सकें। इसके साथ ही नगरपालिका की ओर से साफ-सफाई और शौचालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। डीएम ने स्पष्ट किया कि चौराहे के आसपास अस्थायी रूप से पंचर या अन्य छोटी दुकानों का संचालन कर रहे लोगों को हटाया जाएगा, क्योंकि इससे ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ती है। ऐसे लोगों के लिए कब्बा खेड़ा जैसे उपयुक्त स्थानों पर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जहां पत्थर और लोहे का काम करने वाले कारीगर भी अपना कार्य कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य केवल सड़क चौड़ीकरण या सौंदर्यीकरण नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य पूरे क्षेत्र में यातायात प्रणाली को व्यवस्थित करना और शहर की पहचान को भी संरक्षित करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय के भीतर पूर्ण किए जाएं और नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना के सफल होने से न केवल ट्रैफिक की समस्या कम होगी बल्कि शहर की सुंदरता और आधुनिकता भी बढ़ेगी।

उन्नाव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, तीन लोग घायल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र के मन्या अट्टेसुवा गांव में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रामखेलावन (60) का दूसरे पक्ष के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। शुक्रवार रात इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले दोनों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज हुई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई।घटना के दौरान एक पक्ष से रामखेलावन, उनके दामाद मुकेश और पुत्री सरस्वती मौजूद थे। वहीं दूसरे पक्ष से राजू (22), उसका साला संदीप, कैलाश और अखिलेश शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में रामखेलावन, मुकेश और राजू घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सभी को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही दही थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा और दोनों पक्षों से लिखित शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।इस बीच पीड़ित पक्ष ने थाने में सुनवाई न होने का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया और हंगामा किया। कुछ समय तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बाद में पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

उन्नाव में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता, अधिकारियों को सुधार के दिए निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में कई योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एमआर वैक्सीनेशन, जीरो डोज कवरेज, एमआर एंटीजन (मीजल्स-रुबेला), आयुष्मान आईडी एक्टिवेशन, संस्थागत डिलीवरी की स्थिति और स्टिल बर्थ रेट सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एमआर एंटीजन और फुल इम्यूनाइजेशन में अपेक्षित प्रगति न होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से तुरंत स्पष्टीकरण लें और योजनाओं में तेजी लाएं।जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत निष्क्रिय पड़ी आयुष्मान आईडी के संबंध में भी जानकारी ली। प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और सभी पात्र लाभार्थियों की आयुष्मान आईडी जल्द से जल्द सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को इस योजना का लाभ समय पर मिलना चाहिए।बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर संस्थागत डिलीवरी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीएचसी में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और अधिक से अधिक प्रसव स्वास्थ्य केंद्रों पर ही कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिलीवरी के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने स्टिल बर्थ रेट की समीक्षा करते हुए इसमें सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए ताकि ऐसी घटनाओं को कम किया जा सके।

उन्नाव में गुमटी में लगी आग, परचून का सामान जलकर राख

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के पीडी नगर इलाके में देर रात आगजनी की एक घटना सामने आई है। राजधानी मार्ग स्थित मारुति सुजुकी शोरूम के सामने सड़क किनारे बनी एक लोहे की गुमटी में आग लगने से उसमें रखा परचून और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, पीडी नगर क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला लोहे की गुमटी में परचून की दुकान चलाती हैं। दुकान में किराने का सामान, दाल, चावल, चीनी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य सामग्री रखी हुई थी। महिला रोज की तरह रात करीब 11 बजे दुकान बंद कर अपने घर चली गई थीं। सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि गुमटी के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका है। दुकान के भीतर पूरी तरह आग लगने के निशान दिखाई दे रहे थे और अधिकांश सामान नष्ट हो चुका था। यह देखकर महिला और आसपास के लोग हैरान रह गए। पीड़ित महिला रेखा ने बताया कि उनकी दुकान में किसी अज्ञात व्यक्ति ने देर रात करीब 2 से 3 बजे के बीच आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सुबह दुकान खोलने पर उन्हें इस घटना की जानकारी हुई। महिला के अनुसार, दुकान में रखा पूरा सामान जल जाने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। रेखा का आरोप है कि कुछ लोगों के साथ उनकी पुरानी रंजिश चल रही है और उसी दुश्मनी के कारण उनकी दुकान में आग लगाई गई है। उन्होंने बताया कि इस विवाद को लेकर पहले से एक मुकदमा भी चल रहा है और उन्हें उसी व्यक्ति पर शक है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी की है ताकि घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पीड़ित महिला का कहना है कि पुलिस टीम मौके पर पहुंची जरूर, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि आग लगाने वाले लोगों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं।

उन्नाव में शारदा नहर में डूबने से सात वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में मातम

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में शारदा नहर में पैर फिसलने से एक सात वर्षीय मासूम की डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शुक्रवार देर शाम उस समय हुआ जब बच्चा शौच के लिए घर से निकला था। नहर किनारे पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गया और तेज बहाव के कारण डूब गया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।जानकारी के अनुसार, पुरवा कस्बे के दलीगढ़ी मोहल्ला निवासी सात वर्षीय प्रियांशु, पुत्र स्वर्गीय राकेश, घर से नित्य क्रिया के लिए निकला था। घर से कुछ दूरी पर स्थित शारदा नहर पुरवा ब्रांच के पास शौच के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नहर में गिर पड़ा। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह कुछ ही क्षणों में डूबने लगा।बच्चे को पानी में गिरते देख आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत नहर में कूदकर उसे बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद बच्चे को पानी से बाहर निकाला गया और तत्काल पुरवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची मां शशि अपने बेटे का शव देखकर बेसुध हो गईं और जोर-जोर से रोने लगीं।

उन्नाव के गौरव प्रताप सिंह ने यूपीएससी में पाई सफलता, ऑल इंडिया 317वीं रैंक हासिल

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सर्विस परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। इस परीक्षा में उन्नाव जनपद के गौरव प्रताप सिंह ने सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया 317वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है तथा लोग उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं। गौरव प्रताप सिंह उन्नाव के सराय मनिहार गांव के निवासी हैं। उनके पिता उदयभान सिंह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। गौरव की एक बड़ी बहन भी है। वह अपने पिता के साथ महाराष्ट्र में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे। गौरव ने अपनी स्कूली शिक्षा केंद्रीय विद्यालय बालाघाट, मध्य प्रदेश से हाईस्कूल तक पूरी की, जबकि इंटरमीडिएट की पढ़ाई कोटा में रहकर की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी पटना से बीटेक की डिग्री हासिल की। उन्होंने महाराष्ट्र में रहकर ऑनलाइन कोचिंग की मदद से यूपीएससी की तैयारी की।गौरव को अपने चौथे प्रयास में यह सफलता मिली है। इससे पहले वह तीन बार परीक्षा दे चुके थे और पहले तथा तीसरे प्रयास में इंटरव्यू तक पहुंचे थे। तीन असफल प्रयासों के बाद उन्होंने कड़ी मेहनत और सही रणनीति के साथ तैयारी जारी रखी और आखिरकार सफलता प्राप्त की।गौरव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 से यूपीएससी की तैयारी शुरू की थी। कोविड के बाद उनके मन में समाज के लिए कुछ करने की भावना जागी, जिसके बाद उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी का फैसला किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पिता के आशीर्वाद, परिवार के सहयोग और अपनी मेहनत को दिया।

हादसे से बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

हेलीकॉप्टर में धुआं भरने पर करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का हेलीकॉप्टर लखनऊ से कौशांबी जाते समय उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद तकनीकी खराबी का शिकार हो गया, जिससे उसमें धुआं भरने लगा। पायलट ने तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई। बाद में मौर्य दूसरे हेलीकॉप्टर से सुरक्षित कौशांबी पहुंच गए।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण हेलीकॉप्टर के अंदर धुआं भरने लगा। स्थिति को गंभीर होते देख पायलट ने तुरंत सूझबूझ का परिचय देते हुए अमौसी एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग करा दी। समय रहते हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लेने से एक बड़ा हादसा टल गया और डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित रहे।जानकारी के अनुसार, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे कौशांबी पहुंचना था। वहां पार्टी पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ उनकी महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित थी। इसके अलावा उन्हें जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करना था।बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम लखनऊ के ला-मार्टिनियर ग्राउंड से हेलीकॉप्टर के जरिए कौशांबी के लिए रवाना हुए थे। हेलीकॉप्टर ने जैसे ही उड़ान भरी, कुछ ही क्षण बाद उसमें तकनीकी खराबी आ गई। खराबी के कारण हेलीकॉप्टर के अंदर धुआं फैलने लगा, जिससे स्थिति अचानक चिंताजनक हो गई।हालात को देखते हुए पायलट ने तुरंत निर्णय लेते हुए हेलीकॉप्टर को वापस लखनऊ की ओर मोड़ा और अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई। पायलट की तत्परता और सतर्कता के चलते हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया गया, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान डिप्टी सीएम के साथ मौजूद सभी लोग सुरक्षित रहे।घटना के बाद हेलीकॉप्टर की तकनीकी जांच की गई और सुरक्षा कारणों से उसे आगे उड़ान के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद डिप्टी सीएम के लिए दूसरा हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराया गया, जिसके जरिए वे बाद में कौशांबी के लिए रवाना हुए।कौशांबी पहुंचने के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें वापस लखनऊ लौटना पड़ा था। उन्होंने बताया कि इसके बाद दूसरे हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की गई और फिर वे कौशांबी पहुंच सके। उन्होंने कहा, "हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी और हमें वापस लौटना पड़ा। बाद में दूसरा हेलीकॉप्टर लिया गया और अब हम कौशांबी पहुंच गए हैं। "डिप्टी सीएम के सुरक्षित होने की खबर मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने राहत की सांस ली। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, कौशांबी पहुंचने के बाद उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी किया।इस घटना के बाद हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी के कारणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि उड़ान के दौरान तकनीकी समस्या किस वजह से उत्पन्न हुई थी। फिलहाल डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनका कार्यक्रम सामान्य रूप से जारी है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सभी आवश्यक प्रोटोकॉल अपनाए गए।

UPSC में यूपी की बेटियों का जलवा, शामली की आस्था जैन 9वीं और गाजीपुर की प्रियंका चौधरी 79वीं रैंक पर

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस बार भी उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। खास तौर पर प्रदेश की दो बेटियों की सफलता चर्चा का विषय बनी हुई है। शामली की 23 वर्षीय आस्था जैन ने परीक्षा में 9वीं रैंक हासिल कर प्रदेश और अपने जिले का नाम रोशन किया है, जबकि गाजीपुर की प्रियंका चौधरी ने 79वां स्थान प्राप्त किया है।शामली की रहने वाली आस्था जैन साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता परचून की छोटी सी दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आस्था ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता से परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोग भी उनकी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। वहीं गाजीपुर की प्रियंका चौधरी की सफलता संघर्ष और हौसले की मिसाल बनकर सामने आई है। प्रियंका के पिता मीरा राम पहले उपजिलाधिकारी (SDM) के ड्राइवर रहे हैं और वर्तमान में अमीन के पद पर कार्यरत हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली प्रियंका ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया।प्रियंका के जीवन में पिछले एक वर्ष बेहद कठिन रहा। इस दौरान उन्होंने अपने इकलौते भाई और मां को खो दिया, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इसके बावजूद प्रियंका ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी पढ़ाई तथा तैयारी को जारी रखा। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ परीक्षा की तैयारी की और आखिरकार यूपीएससी में 79वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन कर दिया।दोनों बेटियों की इस उपलब्धि से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। साथ ही यह सफलता उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा बनकर सामने आई है, जो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का हौसला रखते हैं।

41 संपत्तियां, कीमत 50 करोड़ से ज्यादा...

जांच के बाद लेखपाल पर बड़ी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष अलीगढ़

कानपुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने घूसखोरी और आय से अधिक संपत्ति के आरोप में लेखपाल आलोक दुबे को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मुख्यमंत्री की बैठक के अगले ही दिन हुई इस कार्रवाई में सामने आया कि दुबे ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की 41 संपत्तियां अर्जित कर ली थीं।मंडलायुक्त के आदेश के अनुसार, जांच में आलोक दुबे की बेनामी संपत्तियों और जमीनों के क्रय-विक्रय में संलिप्तता भी सामने आई। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। जांच में पाया गया कि दुबे के पास 50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 41 संपत्तियां हैं और वह आय से अधिक संपत्ति रखने का दोषी है। इसके बाद दुबे ने मंडलायुक्त के समक्ष अपील की, लेकिन सुनवाई के बाद अपील खारिज कर दी गई। मंडलायुक्त ने अपने आदेश में कहा कि अपीलकर्ता ने राजस्व निरीक्षक के रूप में रहते हुए अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग किया तथा निजी स्वार्थ सिद्धि के लिए जमीनों की खरीद-फरोख्त कर आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। यह कृत्य उत्तर प्रदेश सरकारी सेवा आचरण नियमावली, 1956 के नियम 15, 21(1) और 24(1) का उल्लंघन है। आदेश में यह भी कहा गया कि ऐसे कर्मचारी को सरकारी सेवा में बनाए रखना जनहित और विभागीय हित में उचित नहीं है। इसी आधार पर आलोक दुबे को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। जांच में सहायक महानिरीक्षक निबंधन की रिपोर्ट ने भी प्रशासन को चौंका दिया। रिपोर्ट के अनुसार, आलोक दुबे, उसकी पत्नी और बच्चों के नाम पर कानपुर, दिल्ली और नोएडा में करोड़ों की संपत्तियां पाई गईं। विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि वह लंबे समय से बिना अनुमति जमीनों की खरीद-फरोख्त कर रहा था।

गोहत्या बंद कराने की मांग के साथ

शंकराचार्य का धर्मयुद्ध

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

वाराणसी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान करते हुए शनिवार को काशी से लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। लखनऊ रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि अपने ही देश में, अपनी ही वोट से चुनी हुई सरकार के सामने गोमाता की रक्षा के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। उन्होंने इस आंदोलन को "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" का नाम दिया है। शंकराचार्य ने बताया कि वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे, जहां हजारों संतों की मौजूदगी में एक बड़ी सभा आयोजित की जाएगी। इस सभा के माध्यम से सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की जाएगी। इससे पहले उन्होंने 30 जनवरी को उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उस समय उन्होंने कहा था कि यदि सरकार गाय को राष्ट्रमाता घोषित नहीं करती है तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। काशी से रवाना होने के बाद वे विभिन्न जिलों से होते हुए करीब पांच दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे।यात्रा के दौरान शंकराचार्य जौनपुर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने अभिषेक को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में चार शंकराचार्य होते हैं और जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने उनका अभिषेक कर दिया है तो किसी को भी उस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का अधिकार भी होता है। इसके बाद शंकराचार्य सुल्तानपुर पहुंचे, जहां उन्होंने गोहत्या के मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पहले गोमाता की हत्या बंद कराई जाए। केवल हिंदू राष्ट्र घोषित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। अगर हिंदू राष्ट्र में भी गोहत्या जारी रहती है तो यह बेहद अपमानजनक होगा। इसलिए उनकी प्राथमिकता पहले गोहत्या को पूरी तरह बंद कराना है। शंकराचार्य की इस यात्रा में 20 से अधिक वाहन शामिल हैं और करीब 500 से अधिक श्रद्धालु उनके साथ चल रहे हैं। यात्रा के दौरान लोगों के बीच पोस्टर भी बांटे जा रहे हैं, जिन पर "जिंदा हिंदू लखनऊ चलें" जैसे नारे लिखे गए हैं। लखनऊ रवाना होने से पहले शंकराचार्य सुबह करीब 8:30 बजे मठ से निकलकर गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गाय की पूजा की।